खेल स्टार्टअप्स और वस्त्र क्षेत्र को मिलेगा बढ़ावा

खेलो भारत नीति 2025 और आत्मनिर्भर भारत पर पीएम मोदी का जोर

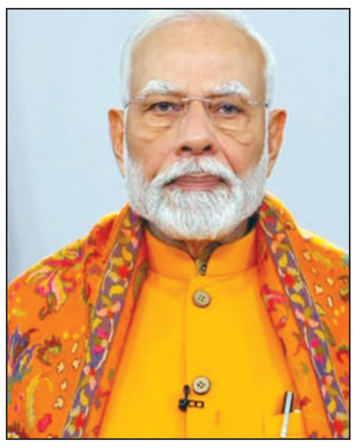

नई दिल्ली, 27 जुलाई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने 124वें मन की बात एपिसोड में खेल क्षेत्र में स्टार्टअप्स को समर्थन देने और वस्त्र उद्योग की क्षमता पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि सरकार खेल प्रबंधन, प्रौद्योगिकी या विनिर्माण में नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप्स का हर तरह से समर्थन करेगी.

प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्हें कई युवा एथलीटों और उनके माता-पिता से %खेलो भारत नीति 2025% के संबंध में संदेश मिले हैं, जिसकी काफी सराहना की गई है. इस नीति का लक्ष्य भारत को एक खेल महाशक्ति बनाना है, जिसमें गांवों, गरीबों और बेटियों को प्राथमिकता दी गई है. अब स्कूलों और कॉलेजों में खेलों को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाया जाएगा. पीएम मोदी ने कहा, खेल से जुड़े स्टार्टअप्स, चाहे वे खेल प्रबंधन के हों या विनिर्माण के, को हर तरह से मदद की जाएगी. उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के मिशन को मजबूत करने के लिए देश के युवाओं द्वारा स्व-निर्मित रैकेट, बल्ले और गेंदों से खेलने की कल्पना की.

स्टार्टअप इंडिया पहल- 16 जनवरी 2025 को स्टार्टअप इंडिया पहल के नौ साल पूरे हो जाएंगे, जिसकी शुरुआत 2016 में हुई थी. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने 15 जनवरी 2025 तक 1.59 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता दी है.

भारत दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में मजबूती से स्थापित हो गया है, जिसमें 100 से अधिक यूनिकॉर्न शामिल हैं. बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर जैसे प्रमुख केंद्रों ने इस परिवर्तन का नेतृत्व किया है, जबकि छोटे शहरों ने भी देश की उद्यमशीलता गति में लगातार योगदान दिया है.

वस्त्र क्षेत्र की क्षमता

प्रधानमंत्री मोदी ने वस्त्र क्षेत्र की क्षमता पर भी बात की, यह कहते हुए कि वस्त्र भारत में सिर्फ एक क्षेत्र नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विविधता का एक उदाहरण है. उन्होंने कहा, आज, वस्त्र और परिधान बाजार तेजी से बढ़ रहा है, और इस विकास का सबसे खूबसूरत पहलू यह है कि गांवों की महिलाएं, शहरों के डिजाइनर, बुजुर्ग बुनकर और हमारे युवा स्टार्टअप शुरू करने वाले सभी मिलकर इसे आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं. उन्होंने स्वदेशी आंदोलन के महत्व पर जोर दिया, जिसने स्थानीय उत्पादों और विशेष रूप से हथकरघा को नई ऊर्जा दी. इस स्मृति में, देश हर साल 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाता है, जो इस साल 10 साल पूरे करेगा.

एफपीआई ने जुलाई में 25 .2 करोड़ डॉलर लगाए

मुंबई, 27 जुलाई (वार्ता) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस साल जुलाई में भारतीय पूँजी बाजार में शुद्ध रूप से 25.2 करोड़ डॉलर का निवेश किया है. एफपीआई निवेशकों ने इस महीने इक्विटी में भारी बिकवाली की जबकि डेट में उन्होंने जमकर पैसा लगाया. यही कारण है कि शेयर बाजारों में लगातार चौथे सप्ताह गिरावट के बावजूद भारतीय पूँजी बाजार में उनका निवेश सकारात्मक बना हुआ है. आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, एफपीआई निवेशकों ने जुलाई में इक्विटी से 75.6 करोड़ डॉलर निकाले जबकि डेट में 96.5 करोड़ डॉलर लगाये. म्यूचुअल फंड में भी वे शुद्ध रूप से लिवाल रहे. इससे पहले जून में एफपीआई निवेशकों ने भारतीय पूँजी बाजार से 90.4 करोड़ डॉलर की शुद्ध बिकवाली की थी.

बाजार की निगाह फेड पर

294 अंक पर पहुंचा सेंसेक्स

131 अंक की गिरावट पर बंद हुआ निफ्टी

मुंबई, 27 जुलाई (वार्ता) घरेलू शेयर बाजारों में लगातार चौथी साप्ताहिक गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर नीतिगत दरों पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की घोषणा और घरेलू आँकड़ों पर रहेगी.

विदेशी संस्थागत निवेशकों के पैसा निकालने और रुपये में गिरावट के कारण पिछले सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 294 अंक यानी 0.36 फीसदी टूटकर 81,463.09 अंक पर आ गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 131.40 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ सप्ताहांत पर 24,837 अंक पर बंद हुआ.

च्वाइस इक्विटी बुकिंग प्राइवेट लिमिटेड के मंदर भोजाने ने कहा कि कमजोर वैश्विक संकेतों और कंपनियों के कमजोर तिमाही परिणाम से बाजार में गिरावट रही. निफ्टी को अगला समर्थन 24.750 अंक पर मिलेगा, लेकिन यदि यह इससे नीचे जाता है तो 24,580 अंक तक उतर सकता है.

उनकी राय में ऊपर की तरफ निफ्टी को पहले 25,150 के स्तर पर पहुँचना होगा जिसे हासिल करने के बाद यह 25,500 तक भी पहुंच सकता है. उन्होंने निवेशकों को सतर्कता बरतने की सलाह दी है.

श्री भोजाने ने कहा कि ऊर्जा धातु और ऑटो सेक्टरों में गिरावट सबसे अधिक रही. मझौली और छोटी कंपनियों पर ज्यादा दबाव रहा.

निफ्टी-100 सप्ताह के दौरान 0.71 प्रतिशत लुढ़ककर 25,442.10 अंक पर रहा. मझौली कंपनियों का सूचकांक निफ्टी मिडकैप-50 भी 1.87 प्रतिशत टूटकर 16,334.55 अंक पर आ गया. निफ्टी स्मॉलकैप-100 में 3.51 फीसदी की गिरावट रही और सप्ताहांत पर यह 18,294.45 अंक पर बंद हुआ.

बजाज ब्रोकिंग रिसर्च ने बताया कि 28 जुलाई से 01 अगस्त के सप्ताह में भारत, अमेरिका और चीन में कई आर्थिक घटनाएँ होंगी.

> घरेलू स्तर पर 28 जुलाई को औद्योगिक उत्पादन के आँकड़े आने हैं. इसके बाद 01 अगस्त को एचएसबीसी के भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के पीएमआई आँकड़े जारी होंगे. चीन का पीएमआई आँकड़ा 31 जुलाई को जारी होगा. कई बड़ी कंपनियों के तिमाही परिणाम भी आने वाले सप्ताह में जारी होने हैं. इनमें बीईएल, गेल, एनटीपीसी, पंजाब नेशनल बैंक, पावरग्रिड, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलिवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी और सनफार्मा भी शामिल हैं.

सेवा गारंटी कानून की मांग

प्रक्रियात्मक देरी से नकदी प्रवाह और निवेश प्रभावित

सीआईआई ने केंद्रीय सेवा गारंटी कानून का सुझाव दिया

नई दिल्ली, 27 जुलाई. भारतीय उद्योग परिसंघ ने केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों द्वारा व्यवसायों को समयबद्ध सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए एक केंद्रीय कानून बनाने का आह्वान किया है.

सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि वर्तमान में व्यवसायों को प्रक्रियात्मक देरी, नियामक अनिश्चितता और समय-सीमा का पालन न होने से नकदी प्रवाह बाधित होता है, जिससे परिचालन दक्षता और निवेश प्रभावित होता है.

सीआईआई का मानना है कि ऐसा कानून नियामक निश्चितता को मजबूत करेगा, पूर्वानुमानितता बढ़ाएगा और भारत में व्यापार करने में आसानी में सुधार करेगा. जबकि अधिकांश राज्यों में नागरिकों के लिए समयबद्ध सेवा वितरण सुनिश्चित करने वाले कानून हैं, केंद्रीय मंत्रालयों के लिए ऐसा कोई केंद्रीय विधान नहीं है.

> प्रस्तावित कानून में व्यवसायों को समयबद्ध और फेसलेस सरकारी सेवाएं प्रदान करने, देरी या कमियों के लिए दंड का प्रावधान करने और एक मजबूत शिकायत निवारण ढांचा स्थापित करने की बात कही गई है. सीआईआई ने यह भी सुझाव दिया कि समय-सीमा के उल्लंघन के मामलों में डीम्ड अनुमोदन का प्रावधान हो, जिसकी वही वैधानिक वैधता हो जो मानक प्रक्रियाओं से प्राप्त अनुमोदनों की होती है, और यह डिजिटल चैनलों के माध्यम से पारदर्शी रूप से सक्षम हो.

एक सप्ताह में रुपया 40 पैसे टूटा

मुंबई, 27 जुलाई (वार्ता) डॉलर की तुलना में रुपया पिछले सप्ताह 40 पैसे टूट गया.दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से रुपये पर दबाव रहा. घरेलू स्तर पर शेयर बाजारों में एक प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट से भी भारतीय मुद्रा टूटी है.बीते सप्ताह रुपया 40 पैसे टूटकर सप्ताहांत पर 86.56 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो करीब एक महीने का निचला स्तर है. जिस प्रकार दुनिया की अन्य छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर मजबूत हुआ है यदि यही क्रम जारी रहा तो रुपये में आगे भी गिरावट जारी रहने के आसार हैं.भारतीय पूँजी बाजार, विशेषकर इक्विटी में, विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली का असर भी रुपये पर देखा गया.

चावल-गेहूं सस्ते, तेल-चीनी महंगे

खाद्य बाजार में इस हफ्ते दिखा मिला-जुला रुख

चावल रु. 20 और गेहूँ रु. 6 सस्ता हुआ

नई दिल्ली, 27 जुलाई. घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल और गेहूँ के औसत भाव टूट गए, जबकि गुड़ और चीनी में साप्ताहिक तेजी दर्ज की गई. वहीं, दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला.

अनाज बाजार- सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत रु. 20 घटकर सप्ताहांत पर रु. 3,795.97 प्रति क्विंटल पर रही. गेहूँ भी रु. 6 टूटकर रु. 2,828.56 प्रति क्विंटल पर आ गया. आटा रु. 3 सस्ता होकर रु. 3,282.98 प्रति क्विंटल रह गया.

खाद्य तेल बाजार- सरसों तेल के दाम में औसतन रु. 380 की जबरदस्त साप्ताहिक तेजी देखी गई, जिससे यह रु. 17,378.72 प्रति क्विंटल पर पहुंच गया. मूँगफली तेल की कीमत करीब रु. 10 प्रति क्विंटल बढ़कर रु. 17,579.46 प्रति क्विंटल हुई. सप्ताह के दौरान सोया रिफाइंड तेल भी रु. 23 प्रति क्विंटल महँगा होकर रु. 13,798.52 प्रति क्विंटल पर रहा. अन्य खाद्य तेलों में नरमी रही, जिसमें सूरजमुखी तेल रु. 70 टूटकर रु. 15,314.85 प्रति क्विंटल पर आ गया. वनस्पति में करीब रु. 13 प्रति क्विंटल और पाम ऑयल में रु. 12 प्रति क्विंटल की गिरावट रही.

दाल-दलहन बाजार

बीते सप्ताह दाल-दलहनों के औसत दाम में भी उतार-चढ़ाव देखा गया. दलहन बाजार में चना दाल रु. 36.44 (रु. 7,858.38 प्रति क्विंटल) और मसूर दाल में करीब रु. 6 (रु. 8,030.88 प्रति क्विंटल) की बढ़त दर्ज की गई. वहीं, तुअर दाल में रु. 73 प्रति क्विंटल की साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई, जिससे यह रु. 10,880.35 प्रति क्विंटल पर आ गई. उड़द दाल रु. 33 (रु. 10,466.24 प्रति क्विंटल) और दाल मूँग करीब रु. 13 (रु. 10,137.40 प्रति क्विंटल) टूट गई.

फ्रैजाइल फाइव से टॉप फाइव तक भारत

पीयूष गोयल का यूपीए पर वार, मोदी सरकार की नीति को सराहा

मुंबई, 27 जुलाई. वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने पिछली कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उस दौरान हुए व्यापार समझौते देश के हित में नहीं थे.

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान ब्रिटेन भारत के साथ संधि करने में दिलचस्पी नहीं ले रहा था, जिसका कारण भारत में विश्वास की कमी थी, जब भारत फ्रैजाइल फाइव में गिना जाता था.गोयल ने जोर दिया कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हो गया. पीएम मोदी किसानों, मजदूरों और व्यवसायों के हितों की रक्षा के बिना कोई समझौता नहीं करते.पिछले 11 वर्षों में, मोदी सरकार ने भारत की अर्थव्यवस्था को %फ्रैजाइल फाइव% से %टॉप फाइव% तक मजबूत किया है, और 2027 तक यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी. यह उपलब्धि पीएम मोदी द्वारा दुनिया भर में अर्जित विश्वास का परिणाम है, जिससे भारत विकसित देशों के साथ व्यापक मुक्त व्यापार समझौता कर पाया.

विदेशी मुद्रा भंडार लगातार तीसरे हफ्ते घटा

मुंबई, 27 जुलाई. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, 18 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार .1.18 अरब घटकर 695.49 अरब हो गया, जो लगातार तीसरी साप्ताहिक गिरावट है. इससे पिछले सप्ताह यह 3.06 अरब घटकर 696.67 अरब रहा था. विदेशी मुद्रा संपत्ति में .1.201 अरब की कमी आई, जो गिरावट का मुख्य कारण रही. हालांकि, सोने का भंडार .150 मिलियन बढ़ा, जबकि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ विशेष आहरण अधिकार .119 मिलियन कम हुए.

एनपीओपी में पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर जोर

एपीडा ने जैविक कपास सब्सिडी घोटाले और प्रमाणन में गड़बड़ी के आरोपों का किया खंडन

नई दिल्ली, 27 जुलाई. कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने जैविक कपास की खेती पर कथित सरकारी सब्सिडी में घोटाले और जैविक प्रमाणन में गड़बड़ी के आरोपों को निराधार बताते हुए उनका खंडन किया है.

एपीडा ने रविवार को स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) के तहत जैविक प्रमाणन में तीसरे पक्ष का प्रमाणन शामिल है, जिसे यूरोपीय आयोग, स्विट्जरलैंड और ब्रिटेन द्वारा मान्यता प्राप्त है.

APEDA
MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
GOVERNMENT OF INDIA

एनपीओपी और प्रमाणन प्रणाली- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत एपीडा ने बताया कि एनपीओपी को 2001 में जैविक उत्पादों के निर्यात प्रोत्साहन के लिए शुरू किया गया था. यह कार्यक्रम जैविक प्रक्रियाओं और उत्पादों के लिए एक तृतीय-पक्ष प्रमाणन प्रणाली पर आधारित है, जिसे मान्यता प्राप्त प्रमाणन निकायों (सरकारी या निजी) द्वारा प्रमाणित किया जाता है.

वर्तमान में, भारत में 37 सक्रिय प्रमाणन निकाय कार्यरत हैं, जिनमें 14 राज्य प्रमाणन निकाय शामिल हैं. छोटे और सीमांत किसानों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 2005 में उत्पादक समूह प्रमाणन प्रणाली शुरू की गई थी.

समाचार विशेष

एनडीए में आसान नहीं सीट शेयरिंग की राह

भाजपा जैसी चिराग की भी चाहत, 50-50 में फंसे नीतीश

पटना. बिहार विधान चुनाव 2025 में चंद दिन ही बचे हैं. जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आ रहा है, राजनीतिक गठबंधन में खींचतान बढ़ने लगा है. बिहार सत्ताधारी एनडीए गठबंधन में बाहर से देखने में जैसा संतुलन दिख रहा है, उतना संतुलन है नहीं.

चाहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हो या जद(यू) हो या फिर चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी-आर) हो. सीटों के लिए खींचतान शुरू हो चुका है. पहले के भाजपा और जद(यू) में 50-50 सीट शेयरिंग का फॉर्मूला बिगड़ता दिख रहा है. जहां नीतीश इस चुनाव में संतुलन खोज रहे हैं, तो भाजपा और चिराग ने अपने टारगेट बड़ा कर दिया है. इस चुनाव में भाजपा और नीतीश के बीच चिराग की वाइल्ड कार्ड एंट्री हुई है, जो गेम-चेंजर साबित हो रहे हैं.

जैसे-जैसे चुनाव करीब आ रहा है, एनडीए में सीट के बंटवारे के लिए खींचतान शुरू हो गई है. भाजपा 120 सीटों पर नज़र गड़ाकर चुनाव में अपना दबदबा बनाने के संकेत दे रही है, वहीं घबराया हुआ जद(यू) 50-50 सीटों के बंटवारे पर अड़ा है. दोनों के बीच वाइल्डकार्ड बनकर चिराग पासवान घुसे हुए हैं, जिसको न तो नीतीश कुमार और न ही भाजपा चाहते हैं. वह एक चुनावी टाइम बम की तरह लग रहे हैं. इनसे दोनों पार्टियों को सीट का नुकसान हो सकता है.

> लोकसभा चुनावों में अपने प्रदर्शन से उत्साहित और नीतीश कुमार की घटती लोकप्रियता को भांपते हुए, भाजपा चुपचाप गठबंधन पर अपना नियंत्रण स्थापित करने की तैयारी कर रही है. पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि भाजपा 243 सीटों में से 120 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है, जिससे जेडी(यू) की सीटें उसके अपने गढ़ में कम हो सकती हैं. हालांकि, जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि सीटों के बंटवारे पर औपचारिक चर्चा अभी शुरू नहीं हुई है. सब सही है? राजीव रंजन का कहना है, 'बिहार के सभी घटक दलों वाला एनडीए, नीतीश कुमार के नेतृत्व में सभी 243 सीटों पर एक साथ चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है.

अब गूंजेगा मां काली का नाम...

चुनाव से पहले बंगाल में भाजपा ने दिए बदलाव के संकेत

कोलकाता. अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बंगाल में इस बार भाजपा की रणनीति में बदलाव के संकेत देखने को मिल रहे हैं. भगवा खेमा इस बार राम नाम का जप छोड़ मां काली, मां दुर्गा की आराधना में जुट गया है.

माना जा रहा है कि यह बदलाव बंगालियों का दिल जीतने के लिए है, क्योंकि पिछले कुछ चुनावों में बंगाल में भाजपा को जय श्रीराम नारे का कोई खास फायदा देखने को नहीं मिला है. हाल के घटनाक्रम भाजपा की मां काली, मां दुर्गा के प्रति अचानक उमड़ी भक्ति को और पुख्ता कर रहे हैं. पिछले दिनों नए प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य के अभिनंदन समारोह में मां काली की तस्वीर लगाई गई थी, जिसपर बारी-बारी से भाजपा नेताओं ने माल्यार्पण किया.

विगत दिनों राज्य के दुर्गापुर में हुई सभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत मां काली, मां दुर्गा के नाम से की थी. इतना ही नहीं पीएम की सभा के आमंत्रण पत्र में भी मां काली के नाम का जिक्र था.

भाजपा ने अभी से तय कर लिया चुनावी प्लान!

चंडीगढ़. पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 से पहले ही बीजेपी ने राज्य की सियासी जमीन पर कब्जा करने की तैयारी शुरू कर दी है. हालांकि, पार्टी के अलग-अलग नेताओं के विचार मेल नहीं खा रहे. एक ओर पंजाब में बीजेपी-शिअद गठबंधन की चर्चा फिर से जोर पकड़ रही थी, लेकिन अब कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया है.

पहेल पंजाब बीजेपी के प्रमुख सुनील जाखड़ ने शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) से अलायंस की चर्चा की थी. अब अश्वनी शर्मा ने ऐलान कर दिया है कि बीजेपी सभी 117 सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़ने वाली है.

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अश्वनी शर्मा का कहना है कि पंजाब की जनता पहले ही कांग्रेस और शिअद का शासन देख चुकी है. अब आम आदमी पार्टी का भी देख लिया. सभी पार्टियों को देखने के बाद सभी से मुक्ति पाने के लिए जनता ने केवल बीजेपी से ही उम्मीद लगाई है. अश्वनी शर्मा ने कहा, आप कहेंगे कि आपका अकाली दल के साथ गठबंधन था.

हमने पंजाब के हित में पहले भी गठबंधन किया था क्योंकि उस समय राज्य उग्रवाद से बाहर आ चुका था. शिरोमणि अकाली दल के साथ पहले हुए गठबंधन का ज़िक्र करते हुए अश्वनी शर्मा ने कहा कि यह राज्य में शांति और सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए किया गया था. आज बीजेपी सभी 117 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है. अश्वनी शर्मा ने इस बात का भी जिक्र किया कि 2022 के विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव 2024, दोनों ही बीजेपी ने अकेले अपने दम पर लड़े थे.

2020 में बीजेपी से अलग हो गया था शिअद

बीजेपी कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा था कि बीजेपी-शिअद का गठबंधन उस वक्त की मांग थी. साल 2020 में शिरोमणि अकाली दल ने बीजेपी नीत गठबंधन एनडीए से किनारा कर लिया था. वह समय था कृषि कानून का, जिससे शिअद सेहमत नहीं था. बाद में तीन कृषि कानूनों को भी सरकार ने वापस ले लिया था. दोनों पार्टियों के बीच पहले हुए समझौते के अनुसार, बीजेपी 23 और शिअद 94 सीटों पर चुनाव लड़ती थी. संसदीय चुनावों में शिअद 10 और बीजेपी 3 सीटों पर चुनाव लड़ती थी.

विशेष | **सिर्फ तारीफ और आभार या पवार-ठाकरे की फडणवीस से बन रही अलग ट्यूनिंग?**

महाराष्ट्र में बदल रही राजनीति!

मुंबई. महाराष्ट्र की सियासत में इन दिनों अलग ही रंग देखने को मिल रहा है. ऐसा इसलिए क्योंकि सरकार और विपक्ष के तेवर पिछले दिनों से बदले-बदले नजर आ रहे हैं. यही कारण है कि राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं. इन सब के बीच सीएम देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में शरद पवार और उद्धव ठाकरे को धन्यवाद दिया.

ये धन्यवाद कॉफी टेबल बुक में की तारीफ के लिए था. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम वैचारिक रूप से विरोधी हैं, दुश्मन नहीं हैं. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने जन्मदिन पर जारी एक कॉफी टेबल बुक में एनसीपी (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे की तारीफ की. उन्होंने कहा कि वे वैचारिक विरोधी हैं, दुश्मन नहीं हैं. इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि शरद पवार एक बड़े दिल वाले और सीनियर नेता हैं. उनकी टिप्पणियां मेरे लिए अमूल्य हैं.

पवार ने फडणवीस की तारीफ में क्या कहा?- 84 वर्षीय पवार ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि जब वे फडणवीस को देखते हैं, तो उन्हें वह समय याद आता है जब वे स्वयं 1978 में पहली बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने थे. पवार जब मुख्यमंत्री बने थे, तब उनकी उम्र सिर्फ़ 38 वर्ष थी, जिससे वे राज्य के शीर्ष पद पर आसीन होने वाले सबसे कम उम्र के राजनेता बन गए थे. उन्होंने कहा कि फडणवीस की राज्य प्रशासन पर उनकी मजबूत पकड़ है. मजाकिया अंदाज में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अपने शरीर की तुलना फडणवीस से करते हुए कहा, भारी होने की समानता कभी भी कड़ी मेहनत करने में बाधा नहीं बनी है. मुझे आश्चर्य है कि वे थकते कैसे नहीं है.

महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों से राजनीति के अलग ही रंग देखने को मिल रहे हैं. सीएम फडणवीस ने पिछले दिनों विधान भवन में उद्धव की वापसी को लेकर बात कही थी. इसके बाद दोनों नेताओं के बीच बातचीत भी हुई थी.

फडणवीस के पास बड़ी भूमिका निभाने का मौका- उद्धव

उद्धव ठाकरे ने बुक में अपने लेख में फडणवीस को एक अध्ययनशील और लोयल राजनेता बताया है, जिन्होंने महाराष्ट्र में अपनी पार्टी को मजबूत करने में सफलता प्राप्त की है, जो कभी कांग्रेस का गढ़ था. शिवसेना (यूबीटी) नेता और पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस ने लिखा है कि फडणवीस के पास राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी भूमिका निभाने का मौका है और उन्होंने उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं. महाराष्ट्र के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके देवेंद्र फडणवीस ने 2014 में 44 साल की उम्र में पहली बार बड़ा पद संभाला था, जिससे वह पवार के बाद महाराष्ट्र के इतिहास में दूसरे सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बन गए.